वर्ष–2016

प्रथम नियुक्ति के समय अचल संपत्ति का विवरण वर्षः– 16/08/1988

पैतृक सम्पत्ति

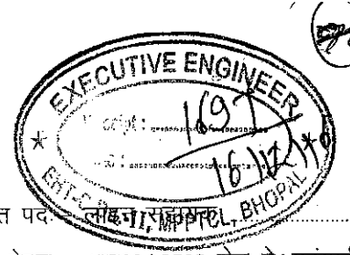

99

1. अधिकारी/कर्मचारी का पूरा नामः– श्री दिवाली सिंह ..... 2. वर्तमान धारित पदः– लाइन सहायक .....

3. कार्यालय का नामः– कार्यालय कार्यपालन यंत्री अति उच्च दाब निर्माण संभाग–दो, म.प्र. पावर ट्रांस. कं.लि., गोविन्दपुरा, भोपाल ..... 4. वर्तमान वेतनः– 17790+2500 ग्रेड पे+महंगाई भत्ता....

5. भविष्य निधि क्रमांकः– 24787508..... 6. कर्मचारी संख्याः– 89324063 (DTL).....

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मंडल अधिकारी/कर्मचारी से क्या संबंध है।	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया खरीद, पट्टा बंधक विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्योरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभ्युक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
1	2	3	4	5	6	7	8
ग्राम घुसिया जिला डिण्डोरी (म.प्र.)	—	35 एकड़ असंचित भूमि	8 लाख	स्वयं के नाम	पैतृक भूमि वर्ष 2006 में मेरे नाम पर नामांतरित	भूमि का उपयोग मेरे परिवार के सदस्यों द्वारा किया जाता है।	—

हस्ताक्षर दिवाली सिंह

नामः– श्री दिवाली सिंह

पदः– लाइन सहायक

- जहां लागू न हो काट दीजिए
- ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही–सही निर्धारण करना संभव न हो वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए
- इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित है।

टिप्पणी–मंडल द्वारा ग्राह्य म.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) निगम, 1985 के नियम 19 (1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी, तथा तृतीय श्रेणी, सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें यह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य लंबित के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण देवें।